Shri Shyama Stuti

श्रीश्यामास्तुतिः

Document Information

Text title : shyAmAstutiH

File name : shyAmAstutiH.itx

Category : devii, devI

Location : doc_devii

Author : Rajanaka Vidyadhar

Transliterated by : Girdhari Lal Koul glkoul.18 at gmail.com

Proofread by : Girdhari Lal Koul glkoul.18 at gmail.com

Latest update : December 6, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

November 22, 2022

sanskritdocuments.org

Shri Shyama Stuti

श्रीश्यामास्तुतिः

श्री श्यामसुन्दर्यै नमः ।
ॐ नमामि कालिकादेवीम ज्ञानकालिकापहाम् ।
सर्वावभासिनीं ज्वालां ज्ञानदीप प्रज्वालिनीम् ॥ १॥

कालिके त्वं जगन्माता कालिके त्वं जगत्पिता ।
कालिके त्वं जगबन्धुःकालिकायै नमोऽस्तु ते ॥ २॥

कालमेघसमानाभा काली श्री श्याम सुन्दरी ।
त्रिकाल ज्ञानजननी कालिका प्रीयतां मम ॥ ३॥

सूर्यकोटि प्रतीकाशा चन्द्रकोटि समानना ।
अग्निकोटिसमा घोरा कालिका प्रीयतां मम ॥ ४॥

चन्द्रार्क वह्नि नयना तापत्रय विनाशिनी ।
मलत्रयापहर्त्री च कालिका प्रीयतां मम ॥ ५॥

चितिशक्तिः स्वतन्त्रा च पञ्चकृत्य विधायिनी ।
विश्वाकारा विश्वोत्तीर्णा कालिका प्रीयतां मम ॥ ६॥

देवपितृपथोर्मध्ये हंसावाहनचारिणी
विद्युद्रूपा सुसूक्ष्मा च कालिका प्रीयतां मम ॥ ७॥

चिद्रसाऽऽश्यानभिन्ना च घटपटादि रूपिणी
मृत्स्वर्णजलवदेका कालिका प्रीयतां मम ॥ ८॥

पुरत्रयाश्रया देवी त्रिपुरा त्रिपुरान्तका
त्रिवेदज जननी विद्या कालिका प्रीयतां मम ॥ ९॥

दाक्षायणी यज्ञहर्त्री सर्वदेव भयङ्करी
गोपिताऽऽकृतिरीशानी कालिका प्रीयतां मम ॥ १०॥

हिमाद्रितनया गौरी तपसा तोषितेश्वरी

त्रिजगज्जननी दुर्गा कालिका प्रीयतां मम ॥ ११॥

नारायणी महालक्ष्मीः सर्वकाम प्रदायिनी
त्रिसन्ध्या वैखरी धात्री कालिका प्रीयतां मम ॥ १२॥

अरिशङ्खकृपाणासि-शूलपाशाब्जपाणिका
रक्तपात्रकरा चैव कालिका प्रीयतां मम ॥ १३॥

चन्द्रार्धकृतचूडा च कपाल माल धारिणी
अट्टाट्टहासिनी भीमा कालिका प्रीयतां मम ॥ १४॥

प्रेतासनसमारूढा प्रेतभूमिविहारिणी
त्रिजगदग्रासिनी घोरा कालिका प्रीयतां मम ॥ १५॥

महाकालस्वरूपा च महाकाल क्षयङ्करी
महारौद्री च चण्डी च कालिका प्रीयतां मम ॥ १६॥

त्रिकोटिदेवजननी त्रिकोटि देव नाशिनी
त्रिकोटि देवतारूपा कालिका प्रीयतां मम ॥ १७॥

ज्वालामुखी स्वरूपाच महापातकनाशिनी
मोहान्धकारशमनी कालिका प्रीयतां मम ॥ १८॥

जयतु जयतु श्यामा कालमेघावभासा
    जयतु जयतु देवैः स्तूयमान पदांब्जा ।
जयतु जयतु योगिहृत्कजान्तर्निर्विष्टा
    जयतु जयतु माता कालिका कालहर्त्री ॥ १९॥

इति श्री श्यामायाः स्तुती राजानक-
विद्याधर विरचिता शिवदाऽस्तुतराम् ।
ॐ तत्सद् ॐ ॥

Encoded and proofread by Girdhari Lal Koul glkoul.18 at gmail.com

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*